

HRA an USUA the Gazette of India.

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—प्रप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 34]

नई दिल्लो, सोमवार, फरवरी 2, 1981/माध 13, 1902

No. 34]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 1981/MAGHA 13, 1902

इस भाग में भिनम पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

वित्त मंत्रालय

(आणिक कार्य विभाग)

अधि तुचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1981

बीमा

भारतीथ जीवन बीमा निगम वर्ग 3 भीर वर्ग 4 कर्मचारी (बीनस भीर महुगाई भत्ता) नियम, 1981

सारकार १९० 41(म):---केन्द्रीय सरकार, बीक्न बीमा निगम (सथी-धन) ध्रध्यादेश, 1981 (1981 का स्रध्यादेश सं० 3) द्वारा यथासंगोधित जीवन बीमा निगम स्रधिनियम, 1956 (1956 का 31) की खारा 48 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नशिकित नियम बनाती है, प्रयात .--

- सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ--(1) इन नियमीं का सिक्ष्य नाम भारतीय श्रीवन बीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (बोलस और महंगाई भत्ता) नियम, 1981 है।
- (2) यह नियम और नियम 4 इन नियमों के राजपन में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंने ग्रीर इन नियमों के शेष उपबन्ध 1 जुलाई, 1979 को प्रवृत्त हुए समक्षे जाएंगे।
- 2. परिभाषाएं .—इन नियमों मे, जब तक कि संवर्ध से अन्यया अपेक्षित न हो—
 - (क) "ब्राधिनियम" से जीवन वीमा निगम श्रिधिनियम, 1956 ब्राभिन्नेत है,

- (ख) "कर्मचारी" से भारतीय जीवन श्रीमा निगम का कोई कर्मचारी मिश्रेत है भीर इसके संस्तर्गत वह स्थिक्त भी है जो मिन्नियम के सभीन नियत दिन को निगम का कर्मचारी हो गया है।
- 3 बोनस:—(1) निगम का कोई भी वर्ग 3 भीर वर्ग 4 कर्मचारी लाम में भ्रम बटाने वाले बोनस या किसी धन्य प्रकार के नकद बोनस के संवाय का हकवार नहीं होगा।
- (2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, प्रत्येक्ष वर्ग 3 भीर नर्ग 4 कर्मकारी बोनस के बचले—
 - (क) 1 जुलाई, 1979 से प्रारम्भ होने वाली ध्वीर 31 मार्च, 1980 को समाप्त होने वाली धवधि के लिए उसके वेतन के पश्चह प्रतिभात की दर से,
 - (ख) उसके पश्चात 1 मर्पेल को प्रारम्भ होते वाले भीर भागाभी वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होते वाले प्रत्येक वर्ष के लिए ऐसी वर से भीर ऐसी शतों के भ्रष्ठील रहते हुए जो केल्क्रीय सरकार मजदूरी स्तर, विसीय परिस्थितियों भीर भ्रन्य सुसंगत बातो का ज्यान मे रखते हुए, राजपन्न में भ्रष्ठिसूचना द्वारा, अवधारित करे,

संवाय का हकबार होगा.

परन्यु---

 वौनस के बदल कोई भी संवाय किसी ऐसे कर्मचारी की संदेय नहीं होगा, जो 1600 द० प्रतिमास से प्रधिक बेतन लेता है,

(81)

1285 GI/80

(ii) जहां किसी कर्मेचारी का बेलन 750 द० प्रतिमास से घरिकः, किन्तुं 1600 द० से कम है वहां ऐसे कर्मचारी को संदेय बीनस के बवले संवाय इन प्रकार संगणित किया जाएगा मानों उसका बेतन 750 द० प्रतिमास हो।

स्पष्टीकरण :---इस उपनियम के प्रयोजनों के सिए "वेतन" से मूल बेहन, विशेष बेतन यदि कीई हो, भीर महंगाई भला प्रमिप्रेत है।

- (3) भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 का बिनियम 58 भीर कर्मचारियों को किसी बोनस के (जिसके धन्तर्गत बोनस के बवले अनुग्रह संबाव भी है) संबाय से संबंधित सभी भ्रम्य उपबन्ध उस सीमा तक जहां तक बहु विनियम और ऐसे भ्रम्य उपबन्ध इस सियम से असंगत हैं, इसके द्वारा विखंडित किए जाते हैं।
- (4) वर्ग 3 घौर वर्ग 4 कर्मचारिमों की बाबत महंगाई भरा :— भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 का विनियम 51 घौर वर्ग 3 घौर वर्ग 4 कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 का विनियम 51 घौर वर्ग 3 घौर वर्ग 4 कर्मचारिवृन्द) के संदेय महंगाई भर्त से संबंधित सभी घण्य उपवन्ध इस उपान्तरण के घ्रधीन रहते हुए प्रभावी होंगे कि घौद्योगिक कर्मचारों के लिए 1960 ≈ 100 के घाघार पर घाद्यस मारतीय घौसत उपमोक्सा मूस्य सूचकाक में सैमासिक घादार पर पुनरीक्षण के कारण प्रतिचार ग्रंक वृद्धि या कमी के लिए वर्ग 3 घौर वर्ग 4 कर्मचारियों को संदेय महंगाई भर्त में, यथास्थित, वृद्धि या कमी 15.80 २० तक नीमिक होगी।
- 5. निर्वेचन :— जहां इन नियमों के किसी नियम के निर्वेचन की बाबत कोई शंका मा कठिनाई उत्पन्न होती है वहां उसे केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए निर्विष्ट किया जायगा।

[फा॰सं॰ 65(2)-बीमा III/3/81] (कु॰) अुसुमलता मिलल, प्रथर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION
New Delhi, the 2nd February, 1981

INSURANCE

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (BONUS AND DEARNESS ALLOWANCE) RULES, 1981

- G.S. R. 41(E),—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) as amended by the Life Insurance Corporation (Amendment) Ordinance, 1981 (Ordinance No. 3 of 1981), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—
- 1. Short Title and Commencement:——(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Bonus and Dearness Allowance) Rules, 1981.
- (2) This rule and rule 4 shall come into force on the date of the publication of these rules in the Official Gazette and the remaining provisions of these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of July, 1979.

- 2. Definitions:—In these rules unless the centext otherwise requires
 - (a) "Act" means the Life Insurance Corporation Act, 1956:
 - (b) "employee" means an employee of the Life Incurance Corporation of Irdia and includes any person who became an employee of the Corporation on the appointed day under the Act.
- 3. Bonus:—(1) No Class III or Class IV employee of the Corporation shall be entitled to the payment of any prefit sharing bonus or any other kind of each bonus.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) every Class III and Class IV employee shall be entitled to a payment in lieu of bonus—
 - (a) for the period commercing from 1st day of July, 1979 and ending on 31st day of March, 1980 at the rate of fifteen per cent of his salary;
 - (b) thereafter for every year commercing on the first day of April and ending on the 31st day of March of the following year, at such rate and subject to such conditions as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, determine having regard to the wage level, the financial circumstances and other relevant factors:

Provided that ---

- (i) no payment in licu of bonus shall be payable to any employee drawing a salary exceeding Rs. 1600/- per month;
- (ii) where the salary of an employee exceeds Rs. 750/- per month but does not exceed Rs. 1600/- per month, the maximum payment in lieu of bonus payable to such employee shall be calculated as if his salary were Rs. 750/per month.

Explanation: For the purposes of this sub-rule "seleny" means basic pay, special pay, if any and Deanness Allewaree.

- (3) Regulation 58 of the Life Insurance Corperation of Ir dia (Staff) Regulations, 1960 and all other provisions relating to the payment of any borus (including ex gratia payment in lieu of bonus) to the employees, to the extent that Regulation and such other provisions are inconsistent with this tule are hereby rescincted.
- 4. Dearness Allewance in respect of Class III and Class IV employees: Regulation 51 of the Life Insurance Congrustion of India (Staff) Regulations 1900 and all other provisions relating to dearness allowance payable to class III and class IV employees shall have effect subject to the modifications that the increase or decrease, as the case may be, in the dearness allowance payable to Class III and Class IV employees by reason of revision on quarterly basis for every four points rise or fell in the All India Average Consumer Price India Numbers for Industrial Workers—(Base: 1960=100) shall be limited to Rs. 15.80.
- 5. Interpretation: Where any dcubt or difficulty arises as to the interpretation of any of these rules it shall be referred to the Central Government for its decision.

[F. No. 65(2)-Ins. III/3/81] Km. KUSUM LATA MITAL, Additional Secy.